

॥ श्रीः ॥

चीखम्बा सुरभारती ग्रन्थमाला

१८६

ॐ

छन्दोऽलङ्कारः

(चन्द्रालोकश्छन्दोमञ्जरी च)

(पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, बी० ए० भाग १ के पाठ्यक्रमानुसार)

लेखक

डॉ० त्रिलोकीनाथ द्विवेदी

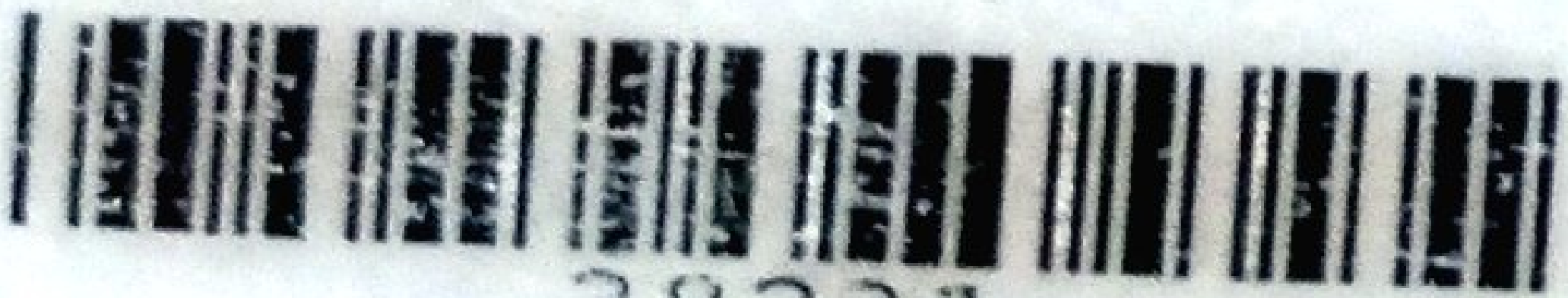
साहित्याचार्य, एम० ए०, विद्यावारिधि (पी-एच्० डी०)

प्रवक्ता : संस्कृत-विभाग

सर्वोदय डिग्री कालेज, घोसी (आजमगढ़)



491.25DI C
Chandoalankarah



28231

भारती प्रकाशन
वाराणसी

विषय-सूची

अलङ्कार

	पृष्ठाङ्कः		पृष्ठाङ्कः
अलङ्कारस्वरूप	१	अक्रमातिशयोक्ति	३४
अनुप्रास	५	तुल्ययोगिता	३५
यमक	८	दीपक	३६
श्लेष	१०	प्रतिवस्तूपमा	३७
उपमा	१४	दृष्टान्त	३८
अनन्वय	१६	निदर्शना	४०
रूपक	१७	व्यतिरेक	४१
उल्लेख	२१	समासोक्ति	४४
अपह्नुति	२२	अप्रस्तुतप्रशंसा	४५
उत्प्रेक्षा	२७	अर्थान्तरन्यास	४७
स्मृति, भ्रान्तिमान्, सन्देह	३०	विरोधाभास	४८
अर्थापत्ति	३१	विभावना	४९
काव्यलिङ्ग	३२	विशेषोक्ति	५०

छन्द

छन्द के सन्दर्भ में कुछ

आवश्यक बातें

गुरु-लघु की पहचान

छन्दों के निर्देश

गण

गण-निर्देशक सूत्र

यति

	वृत्त (छन्द) के भेद—	
५२	समवृत्त, अर्धसमवृत्त, विषमवृत्त	५४
५२	मात्राओं की गणना	५४
	समवृत्त	
५३	इन्द्रवज्रा	५४
५३	उपेन्द्रवज्रा	५५
५३	उपजाति	५६

वृष्ठाङ्कः		वृष्ठाङ्कः
वंशस्थ	५७	साम्बरा
भुजङ्गप्रयात	५८	अर्धसमवृत्त
द्रुतविलम्बित	५९	पुष्पिताग्रा
वसन्ततिलका	६०	विषमवृत्त
मालिनी	६०	अनुष्टुप्
शिखरिणी	६१	मात्रिक वृत्त
मन्दाक्रान्ता	६२	आर्षा
शार्दूलविक्रीडित	६३	